जद भी पड़ी कोई दरकार लीले चढ़

जद भी पड़ी कोई दरकार लीले चढ़ आयो सरकार
जूठी दुनिया सारी स्वार्थ की सेह बीचे,
माहने राखे माहरो श्याम हसे निचे,

कामना से महारी पिछाने सांवरो,
बिन मांगेया से क्यों दे जावे सांवरो,
प्रेमियों के दिल की से जाने सांवरो,
माहरे श्याम राज में प्रेम की पदवी तेहलीचे,
माहने राखे माहरो श्याम हसे निचे,

मिली विरासत म्हाने बाबा के नाम की,
टाबर ने सुनावा लोरी भी श्याम की,
पीडिया दर पीडियां जपे गी श्याम ही,
म्हारे खानदान की नीव सांवरियो लीचे,
माहने राखे माहरो श्याम हसे निचे,

दुनिया की माया म्हारे के काम की,
पूर्वज जोड़ गया है माहरे पूंजी श्याम की.
जिंदगी बितावा मजे में शान की,
खाटू नगरी गोलू बाबुल की हवेली छे ,
माहने राखे माहरो श्याम हसे निचे,

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/15596/title/jd-bhi-pdi-koi-darkaar-lele-chad-ke-ayaa

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |